Dainik Jagran Date 12.09.2023

एजेंसियों की तीसरी आंख बनी रहीं महिला पुलिसकर्मी

धनंजय मिश्रा • नई दिल्ली

जी-20 के सफल आयोजन से दिल्ली पुलिस के सिपाही से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक में खुशी है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिल्ली पुलिस कई माह से तैयारी कर रही थी। इसी का नतीजा है कि जी-20 शानदार और सुरक्षित तरीके से संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में सभी की सामूहिक भूमिका है, लेकिन महिला पुलिसकर्मियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। आयोजन स्थल की सुरक्षा में महिला पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा एजेंसियों की तीसरी आंख बनकर 700 सीसीटीवी कैमरों से पल-पल की जानकारी दी। विशेष प्रशिक्षण प्राप्त 150 महिला पुलिसकर्मियों को इसके लिए तैनात किया गया था। प्रगति मैदान के अंदर भारत मंडपम में बनाए गए सीसीटीवी इंटीग्रेटेड रूम में इन महिला पुलिसकर्मियों को शिफ्ट के हिसाब से तैनात किया गया। सात से 10 सितंबर तक महिलाओं ने सीसीटीवी के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी। एक सेकंड के लिए भी महिलाओं की नजर सीसीटीवी से नहीं हटी। सेल की महिला डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा के नेतृत्व में इस टीम ने 24 घंटे काम किया।

150 महिला पुलिसकर्मियों ने स्पेशल सेल की महिला डीसीपी के नेतृत्व में लगातार 24 घंटे किया काम



भारत मंडपम में बने सीसीटीवी इंटीग्रेटेड रूम में तैनात महिला पुलिसकर्मी • सौ. दिल्ली पुलिस

700 सीसीटीवी कैमरों से आयोजन स्थल की निगरानी करते हुए सुरक्षा एजेंसियों को दी पल-पल की जानकारी

तैनात किए गए थे दो हजार पुलिसकर्मी

भारत मंडपम के अंदर दो हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसमें 350 महिला पुलिसकर्मी शामिल थीं। इन सभी पुलिस कर्मियों को अलग-अलग कार्यों के लिए विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया था।

कई माह का दिया गया था विशेष प्रशिक्षण : सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए तैनात की गई महिला पुलिसकर्मियों को दो से तीन वर्ष ही हुए हैं दिल्ली पुलिस में शामिल हुए। इस महिलाओं को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए कई माह तक विशेष तौर पर प्रशिक्षण दिया गया था। संचार केंद्र ऐसा बनाया गया था कि कुछ भी संदिग्ध दिखे तो उसकी सूचना देने में देरी न हो। व्यवस्था ऐसी है कि सूचना के एक मिनट के अंदर संबंधित एजेंसियों की ओर से कार्रवाई करने में सक्षम हैं। इसके साथ ही महिलाओं को लगातार स्क्रीन देखने के दौरान आंखों में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए भी प्रशिक्षित किया गया था। मंडपम के अंदर 700 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इससे मंडपम के साथ ही आसपास की सड़कों पर भी निगरानी रखी जा रही थी। प्रगति मैदान का पूरा क्षेत्र सीसीटीवी कैमरों की जद में था।